वार्षिक परीक्षा

समय-२.३० घण्टा | कक्षा–11 | पूर्णांक-१००

सामान्य हिन्दी

निम्नलिखित गद्य साहित्य पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) 'कवि–वचन सुधा' पत्रिका के सम्पादक हैं –

(अ) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ब) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(स) गुलाब राय (द) कमलेश्वर

(ख) 'चन्द्रकान्ता' गद्य की विधा है –

(अ) कहानी (ब) उपन्यास (स) नाटक (द) एकांकी

(ग) 'अँधेर नगरी' के रचनाकार हैं –

(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) प्रताप नारायण मिश्र

(स) हरिकृष्ण प्रेमी (द) रामकुमार वर्मा

(घ) 'केदार नाथ पाण्डेय' किस लेखक का वास्तविक नाम है ?

(अ) अज्ञेय का (ब) राहुल सांस्कृत्यायन

(स) रामवृक्ष बेनीपुरी का (द) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

(ङ) 'भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है' के लेखक हैं –

(अ) प्रेमचन्द (ब) श्यामसुन्दर दास

(स) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (द) महावीर प्रसाद द्विवेदी

2. निम्नलिखित पद्य साहित्य पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) हिन्दी के प्रथम कवि हैं –

(अ) सरहपा (ब) सवरपा (स) डोम्भिपा (द) नरपति नाल्ह

(ख) 'वीर गाथा काल' किस काल का नाम है ?

(अ) रीति काल का (ब) भक्तिकाल का

(स) आधुनिक काल का (द) आदिकाल का

(ग) 'रामचरित मानस' किस काल की रचना है ?

(अ) भक्तिकाल की (ब) रीतिकाल की

(स) आधुनिक काल की (द) आदिकाल की

(घ) 'कामायनी' किसकी रचना है –

(अ) निराला की (ब) पंत जी की

(स) प्रसाद जी की (द) महादेवी वर्मा की

(ङ) 'सूरसागर' कौन सा काव्य है –

(अ) महाकाव्य (ब) खण्डकाव्य (स) मुक्तक काव्य (द) चम्पू

(क) सूर्यदेव की उदारता और न्यायशीलता तारीफ के लायक है। तरफदारी तो उसे छू नहीं गई–पक्षपात की तो गन्ध तक उसमें नहीं, देखिए न उदय तो उसका उदयांचल पर हुआ, पर क्षण ही भर में उसने नए किरण कलाप को उसी

P.T.O

पर्वत के शिखर पर नहीं, प्रत्युत सभी पर्वतों के शिखरो पर फैलाकर उन सबकी शोभा बढ़ा दी। उसकी इस उदारता के कारण इस समय ऐसा मालूम हो रहा है, जैसे सभी भूधरों ने अपने शिखरों अपने मस्तको पर दुपहरिया के लाल फूलों के मुकुट धारण कर लिए हों। सच है, उदारशील सज्जन अपने चारूचरितों से अपने ही उदय–देष को नहीं, अन्य देशों को भी आप्यायित करते हैं।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(2) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(3) तरफदारी, भूधरों तथा उदयांचल शब्दों का अर्थ लिखिए।

(4) सूर्यदेव की उदारता के माध्यम से लेखक किसका वर्णन कर रहा है ?

(5) सूर्यदेव के पक्षपात चरित्र भाव का वर्णन कीजिए।

अथवा

(ख) मनुष्य का जीवन इतना विशाल है कि उसके आचरण को रूप देने के लिए नाना प्रकार के ऊँच–नीच और भले बुरे विचार, अमीरी और गरीबी उन्नति और अवनति इत्यादि सहायता पहुँचाते हैं। पवित्र अपवित्रता उतनी ही बलवती है, जितनी की पवित्र पवित्रता। जो कुछ जगत में हो रहा है वह केवल आचरण के विकास के अर्थ में हो रहा है। अन्तरात्मा वही काम करती है, जो वाह्य पदार्थों के संयोग का प्रतिबिम्ब होता है। जिनको हम पवित्रात्मका कहते हैं क्या पता है, किन–किन कूपों से निकलकर वे अब उदय को प्राप्त हुए हैं।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(2) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(3) पवित्र, अपवित्रता कितनी बलवती है ?

(4) उन्नति और अवनति शब्दों का अर्थ लिखिए।

(5) मनुष्य का जीवन कितना विशाल है ?

दिये गये पद्यांशों से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) अँखियाँ हरि दरस की भूखी।
कैसे रहति रूप रस रॉंची, ये बतियाँ सुनि रूखी।
अवधि गनत, इकटक मग जोवत, तब इतनौ नहि झूखी।
अब यह जोग सँदेसौ सुनि–सुनि अति अकुलानी दूखी।
वारक वह मुख अनि दिखावहु, दुहि पय पिवत पतूखी।
सूर सुकत हठि नाव चलावत, ये सरिता है सूखी।।

(1) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(2) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

P.T.O

(3) अवधि गनत तथा मग जोवत शब्दों का अर्थ लिखिए।

(4) उपर्युक्त पद्यांश में किस भाषा का प्रयोग किया गया है।

(5) उपर्युक्त पद्यांश में रस बताइए।

अथवा

(ख) हरो चरहि तावहि बरत, फरे पसारहिं हाथ।
तुलसी स्वारथ मीत सब, परमारथ रघुनाथ।।

(1) प्रस्तुत पद्यांश का शीर्षक तथा रचनाकार का नाम लिखिए।

(2) प्रस्तुत काव्यांश में कौन सा छन्द है ?

(3) 'स्वारथ' तथा 'परमारथ' शब्दों का अर्थ लिखिए।

(4) प्रस्तुत काव्यांश में किस भाषा का प्रयोग है ?

(5) प्रस्तुत काव्यांश में अलंकार बताइए।

(क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखते हुए उनकी रचनाओं को दर्शाइए –

(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) सरदार पूर्ण सिंह
(स) डॉ0 सम्पूर्णानन्द

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखते हुए उनकी काव्य कृतियों का वर्णन कीजिए –

(अ) कबीरदास (ब) सूरदास (स) तुलसीदास (द) भूषण

'बलिदान' अथवा 'आकाशद्वीप' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

सूत–पुत्र नाटक के तृतीय अंक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए अथवा कर्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए।

निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी मे अनुवाद कीजिए–

(क) भारतस्य स्वतंत्रता दोलनस्य इदं नगरं प्रधानकेन्द्रम् आसीत्। श्रीमोतीलाल नेहरू, महामनामदनमोहनमालवीयः आजादोपनामचन्द्रशेखरः अन्ये च स्वतंत्रता संग्रामसैनिकाः अस्थामेन पावनभूमौ उषित्वा आन्दोलनस्य सञ्चालनम् अकुर्वन्। राष्ट्रनायकस्य पंडितजवाहरलालस्य इयं क्रीडास्थली कर्मभूमिश्च।

अथवा

भारतदेशस्य सुविस्तृतायाम् उत्तरस्यां दिशि स्थितो गिरिः पर्वतराजो हिमालयः इति नाम्नाभिधीयते जनैः। अस्य महोच्चानि शिखराणि जगतः सर्वानपि पर्वतान् जयन्ति। अतएव लोका एनं पर्वत राजं कथयन्ति। अस्योन्नतानि शिखराणि सदैव हिमैः आच्छादितानि तिष्ठन्ति अत एवास्य हिमालय इति हिमगिरिव्यापि च नाम सुप्रसिद्धम्।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए –

यदृच्छया चोपन्नं स्वर्गद्वारपमावृतम्।
सुखिनः क्षत्रिया पार्थ! लभन्ते युद्धमीदृशम्।।

अथवा

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुख।
यद् भद्रं तन्नः आसुव।।

9. निम्न मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखते हुए वाक्य प्रयोग कीजिए –

(1) कगाली में आटा गीला (2) एक पंथ दो काज
(3) जैसी करनी वैसी भरनी (4) ऊँट के मुँह में जीरा

10. (क) महोदयः तथा सप्ताह का सन्धि–विच्छेद कीजिए।
(ख) बालकेभ्यः तथा फलैः शब्दों में विभक्ति तथा वचन बताइए।

11. (क) परिताप–प्रताप का सही अर्थ होगा –
(अ) दुःख और पराक्रम (ब) गर्मी और शक्ति
(स) ताप और तप (द) तप्त और धारा
(ख) निशा तथा अम्बर में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए।
(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए –
जिसका कोई न हो जो दिखाई न दे
(घ) दिये गये वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए –
(1) तेरे को क्या चाहिए (2) मुझे आज स्कूल में शिक्षा मिलता था

12. (क) चौपाई अथवा सोरठा की परिभाषा उदाहरण के साथ लिखिए।
(ख) हास्य अथवा वीर रसय की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।
(ग) उपमा अथवा श्लेश अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

13. क्लास रूप में पंखा लगवाने के लिए प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना–पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए –
(1) मेरे आदर्श शिक्षक (2) कम्प्यूटर का उपयोग हानि एवं लाभ
(3) स्वच्छता का महत्व (4) अनुशासन का महत्व
(5) बेरोजगारी कारण एवं निवारण

-0-0-